an>

Title: Need to provide adequate financial assistance to the inventor of Mangal Turbine, a fuel-less turbine for irrigation purpose.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद) : सभापति महोदय, देश में 25-30 वÂर्ष पूर्व एक कृÂषक और आविÂष्कारक के द्वारा बिना डीजल और बिना बिजली के पानी लिफ्ट कर किसानों के खेतों की सिंचाई करने के लिए एक स्वदेशी वाटर पंप टरबाइन का आविÂष्कार किया गया है जो सैकड़ों हैक्टेयर भूमि में सिंचाई करने की क्षमता रखती है, जो विश्व का एक अनूठा यंत्र है। इस यंत्र का नाम मंगल टरबाइन है। इस यंत्र को पेटेंट प्राप्त है एवं लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है, आई.सी.ए.आर. ने इसे यथायोग्य तकनीकी और आई.आई.टी ने इसे नावेल इरिगेशन सिस्टम बताया, तत्पश्चात् इस यंत्र को कपार्ट के द्वारा संचालित किया गया, परन्तु कपार्ट द्वारा मशीन संचालन के लिए बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया, तत्पश्चात् इस प्रयोजन डॉ. मैथानी कमेटी का गठन किया गया और उक्त कमेटी की रिपोर्ट समर्पित करने के बाद भी आविÂकारक को बकाया राशि का भुगतान और न्याय प्रदान नहीं किया गया है। आश्चर्य है कि मंगल टरबाइन के संबंध में मध्य प्रदेश सरकार के पाठ्यक्रम में बच्चों को शिक्षा दी जा रही है, राज्य के मुख्य सचिव और तकनीकी विशेÂाज्ञों द्वारा इस स्वदेशी अविÂकार को अत्यधिक लाभप्रद बताया गया है, परन्तु आविष्Âकारक सड़क पर भटक रहे हैं।

सदन के माध्यम से आग्रह है कि मंगल टरबाइन के आविÂष्कारक को समुचित सहयोग प्रदान किया जाए ताकि देश में इस स्वदेशी तकनीक का विकास हो और बकाया राशि का भुगतान किया जा सके।

-